Raj Express (Indore), 16th April 2024, Page – 05

प्रोग्राम अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूह (आईआरटीजी) कार्यशाला का आयोजन

आईआईटी का उद्देश्य द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर और जूलियस मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्जबर्ग ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूह (आईआरटीजी) कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईटी इंदौर में आयोजित इस इंडो-जर्मन संयुक्त आईआरटीजी नेटवर्क कार्यक्रम का उद्देश्य, जर्मन व भारतीय पोस्टडॉक्स, पीएचडी के स्टूडेंट्स व संकाय का प्रशिक्षण, साथ ही द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग प्रदान करना है।

यूनिवर्सिटी वुर्जबर्ग और लीबनिज लंग सेंटर, जर्मनी के 15 शोधकर्ताओं के साथ-साथ विभिन्न भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे आईआईटी बॉम्बे, आईआईएसईआर भोपाल, टीएचएसटीइाई फरीदाबाद, इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ साइंस भुवनेश्वर, रीजनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी फरीदाबाद, आईआईएसईआर पुणे और आईआईटी इंदौर के 18 प्रोफेसर ने कार्यशाला में भाग लिया।

शोध योगदान को किया प्रस्तुत

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में आईआईटी इंदौर, जेएमयू वुर्जबर्ग और लीबनिज लंग सेंटर,बीरस्टेल, जर्मनी के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे ज्ञान, प्रौद्योगिकियों और संसाधनों के आदान-प्रदान में आसानी होगी। उन्होंने भारतीय और जर्मन शोधकर्ताओं के सहयोग से कुछ शोध परियोजनाओं की परिकल्पना पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यशाला के दौरान, वक्ताओं ने सेल्युलर मेटाबोलॉमिक्स, सिंगल-सेल ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, 3डी ऑर्गेनॉइड्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग सेल बायोलॉजी, बायोइनफॉरमैटिक्स, 3डी- बायोप्रिंटिंग, बायोमेडिकल इमेजिंग, बायो मेडिकल सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग और स्ट्रक्चरल जीवविज्ञान के क्षेत्रों में अपने शोध योगदान को प्रस्तुत किया।

वार्ता के बाद माइकोबैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस, स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया, क्लैमाइडिया न्यूमोनिया और स्यूडोमोनास एरुगिनोसा रोगजनकों जैसे श्वसन संक्रामक एजेंटों के शुरुआती और बाद के चरणों के दौरान सेल ऑर्गेनेल गतिशीलता और ऑर्गेनेल-ऑर्गेनेल संचार का अध्ययन करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले नेटवर्क प्रोजेक्ट की अवधारणा पर चर्चा सत्र आयोजित किया।